आनंदालय

सामयिक परीक्षा - 3

कक्षा : दसवीं

विषय : हिंदी 'ब' (085) अधिकतम अंक : 40

दिनांक: 21-12-2024 समय: 1 घंटा 30 मिनट

सामान्य निर्देश :-

1. यह प्रश्न पत्र चार खण्डों में विभाजित है - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
2. प्रश्न पत्र में कुल आठ प्रश्न हैं |
3. प्रश्नोत्तर क्रमशः लिखे जाने चाहिए |
4. बहुविकल्पीय प्रश्नों की क्रम संख्या व चयनित उत्तर पूर्ण व स्पष्ट रूप से लिखना आवश्यक है |
5. लिखावट सुंदर और स्पष्ट होनी चाहिए |

खंड - 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए -

अपनी सभ्यता का जब मैं अवलोकन करता हूँ, तब लोगों को काम के संबंध की उनकी विचारधारा के अनुसार उन्हें विभाजित करने लगता हूँ । एक वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता केवल धन अर्जित करना है । वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का श्रम समाप्त हो जाता है, तब वे सचमुच जीना शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं। जब वे काम में लगे होते हैं, तब उनका मन भटकता रहता है। काम को वे उतना महत्त्व देने का कभी विचार नहीं करते, क्योंकि केवल आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है। दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्मपरितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं। वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं, ताकि अपने काम से अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें । जिस काम में वे संलग्न होते हैं, उसकी पूजा करते हैं ।

पहले वर्ग में केवल वे लोग ही नहीं आते हैं, जो बहुत कठिन और अरुचिकर काम करते हैं। उसमें बहुत-से संपन्न लोग भी सम्मिलित हैं, जो वास्तव में कोई काम नहीं करते हैं। ये सभी धन को ऐसा कुछ समझते हैं, जो उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है। इसके सिवाय कि उनका भाग्य अच्छा रहा है, अन्यथा वे कारखानों के उन मजदूरों की तरह ही हैं, जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं। उनके लिए काम कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का प्रतिनिधित्व यही धन करता है ।

यदि काम को वे टाल सकें और फिर भी धन प्राप्त हो जाए, तो खुशी से यही करेंगे। जो लोग काम में अनुरक्त हैं तथा उसके प्रति समर्पित हैं, ऐसे कलाकार, विद्वान् और वैज्ञानिक दूसरे वर्ग में सम्मिलित हैं। वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं। इसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं। अपनी मशीनों को ममत्वभरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं।

(i) पहले वर्ग के लोग काम को किस रूप में देखते हैं ? (1)

(क) कर्त्तव्य भावना के रूप में (ख) धन प्राप्ति के साधन के रूप में

(ग) आनंद प्राप्ति के साधन के रूप में (घ) समाज सेवा के रूप में

(ii) दूसरे वर्ग के लोगों के विषय में कौन-सा कथन सही नहीं है ? (1)

(i) वे काम में अनुरक्त रहते हैं (ii) वे काम के प्रति समर्पित होते हैं

(iii) वे वस्तुओं को रूप देने से आनंदित होते हैं (iv) वे काम से छुटकारा पाना चाहते हैं

कूट

(क) कथन (i), (ii) और (iii) सही नहीं हैं । (ख) कथन (i) और (ii) सही नहीं हैं ।

(ग) कथन (ii), (iii) और (iv) सही नहीं हैं । (घ) केवल कथन (iv) सही नहीं है ।

(iii) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए । (1)

कथन (A) काम के प्रति समर्पित लोगों के वर्ग में कलाकार, विद्वान, वैज्ञानिक, परम्परागत कारीगर, कुशल मिस्त्री और इंजीनियर लोग आते हैं।

कारण (R) क्योंकि इन वर्गों के लोग वस्तुओं को बनाने और सीखने में रुचि लेते हैं ।

कूट

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है ।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं ।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(iv) दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझने के दृष्टिकोण को कैसे बदला जा सकता है ? (2)

(v) कौन-से लोग अपने काम को ही पूजा समझते हैं। समाज को इनसे का क्या सीखना चाहिए ? (2)

खंड - 'ख'

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए - (1x8=8)

(i) 'चाचा जी नाश्ता करके दफ़्तर चले गए।' (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ii) जो मेरे साथ पढ़ेगा, वह हमेशा सफल होगा । (वाक्य पहचानकर भेद लिखिए)

(iii) <u>आसमान में उड़ता गुब्बारा</u> फट गया । (रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए)

(iv) बच्चा दूध पीकर सो गया । (पदबंध पहचानकर भेद लिखिए)

(v) पाँच वट वृक्षों का समाहार (समस्तपद बनाइए)

(vi) जगन्नाथ (समस्तपद का भेद लिखिए)

(vii) कूट-कूट कर भरना (मुहावरे से वाक्य बनाएँ कि अर्थ स्पष्ट हो जाए)

(viii) वज़ीर अली को खोजने के लिए ब्रिटिश सेना महीनों तक जंगलों में_____ रही ।
(खाली स्थान में उचित मुहावरा लिखिए)

खंड - 'ग'

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए - (1x4=4)

बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नाम के एक पैगंबर का ज़िक्र मिलता है । उनका असली नाम लशकर था। लेकिन अरब में उन्हें नूह के लकब से याद किया जाता है। वह इसलिए कि वह सारी उम्र रोते रहे। इसका कारण एक ज़ख्मी कुत्ता था। नूह के सामने से एक बार एक घायल कुत्ता गुज़रा । नूह ने उसे दुत्कारते हुए कहा, 'दूर हो जा गंदे कुत्ते ! 'इस्लाम में कुत्तों को गंदा समझा जाता है। कुत्ते ने उनकी दुत्कार सुनकर जवाब दिया, 'न मैं अपनी मर्जी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी पसंद से इनसान हो । बनाने वाला सबका तो वही एक है।

'मिट्टी से मिट्टी मिले, खो के सभी निशान ।
किसमें कितना कौन है, कैसे हो पहचान ।।

नूह ने जब उसकी बात सुनी तब दुःखी हो मुद्दत तक रोते रहे। 'महाभारत' में युधिष्ठिर का जो अंत तक साथ निभाता नज़र आता है, वह भी प्रतीकात्मक रूप में एक कुत्ता ही था।

(i) सभी जीवों का जन्म किसकी मर्जी से होता है ?
(क) स्वयं की (ख) धर्म की (ग) कर्म की (घ) ईश्वर की

(ii) नूह सारी उम्र क्यों रोते रहे ?
(क) लशकर होने के कारण (ख) पैगंबर होने के कारण
(ग) प्रायश्चित्त-भाव के कारण (घ) अस्वस्थ होने के कारण

(iii) गद्यांश का संदेश है -
(क) हमें सबके प्रति असंवेदनशील होना चाहिए।
(ख) हमें सबके प्रति संवेदनशील होना चाहिए।
(ग) हमें किसी गलती के लिए ताउम्र रोना चाहिए।
(घ) ताउम्र रोना ही सही मायने में प्रायश्चित्त है।

(iv) 'मिट्टी से मिट्टी मिले, खोकर सभी निशान' का आशय है -
(क) मृत्यूपरांत सभी जीवों का निजी अस्तित्व समाप्त हो जाता है।
(ख) मिट्टी, मिट्टी में ही मिलाई जा सकती है।
(ग) सभी जीवों का निर्माण मिट्टी से नहीं हुआ है।
(घ) सभी जीवों का अस्तित्व स्वयं उसके वश में है।

4. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए - (1x3=3)

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश ।
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार,
जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण-सा फैला है विशाल !

(i) 'मेखलाकार' शब्द का यहाँ क्या अर्थ होगा ?
(क) गले के लंबे हार के समान पहाड़ की ढाल (ख) कंधे के आकार का पहाड़
(ग) करधनी के आकार की पहाड़ की ढाल (घ) सीढ़ीनुमा पहाड़ की खेती-बाड़ी

(ii) 'अपने सहस्र दृग-सुमन' से कवि का क्या तात्पर्य है ?
(क) अपने हज़ारों सुमन रूपी नेत्रों से (ख) अपने हज़ारों नेत्रों रूपी सुमन से
(ग) अपने हज़ारों सुमन के समान नेत्रों से (घ) अपने हज़ार-हज़ार पुष्पों से

(iii) कवि ने तालाब की समानता किसके साथ दिखाई है ?
(क) आसमान से (ख) नदी से (ग) दर्पण से (घ) सुमन से

5. निम्नलिखित चार में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए - (3x2=6)

(i) लेखक के अनुसार सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए। लेखक ने ऐसा क्यों कहा होगा ? स्पष्ट कीजिए ।

(ii) कर्नल सआदत अली को अवध के तख़्त पर क्यों बिठाना चाहता था ?

(iii) प्रकृति में आए असंतुलन से क्या-क्या बदलाव आए हैं ? इससे मानव जाति के लिए क्या-क्या ख़तरे पैदा हो गए हैं? 'अब कहाँ दूसरे के दुख में दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।

(iv) विरासत में मिली चीज़ों को सँभालकर क्यों रखा जाता है ? 'तोप' कविता के आधार पर लिखिए ।

6. निम्नलिखित दो में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए - (1x3=3)

(i) इफ़्फ़न और टोपी शुक्ला की दोस्ती आज के समाज के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? 'हाँ' या 'नहीं' के लिए तर्कसहित अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

(ii) टोपी ने इफ़्फ़न की दादी से अपनी दादी बदलने की बात क्यों कही होगी ? इससे बाल मन की किस विशेषता का पता चलता है ?

खंड - 'घ'

7. 'अभ्यास की शक्ति' शीर्षक के आधार पर 100 शब्दों में लघु कथा लेखन कीजिए | (1x5=5)

अथवा

छात्रों के लिए अधिक खेल-सामग्री उपलब्ध कराने का अनुरोध करते हुए अपने प्रधानाचार्य महोदय को लगभग 100 शब्दों में ईमेल लिखिए।

8. प्रत्येक बच्चे को खुश रहने और खिलौनों से खेलने का अधिकार है । 'आवासीय कल्याण केन्द्र' के सचिव की ओर से पुराने खिलौने 'आवासी कल्याण कार्यालय' में एकत्रित किए जाने की सूचना 80 शब्दों में लिखिए ताकि ये खिलौने कम सुविधा प्राप्त बच्चों में वितरित किए जा सकें । (1x4=4)

अथवा

आपका नाम राम शुक्ला है । आप विद्यालय के सांस्कृतिक सचिव हैं । गणतंत्र दिवस के अवसर पर विद्यालय में आयोजित होने वाली कविता पाठ और लेखन प्रतियोगिता का विवरण देते हुए लगभग 80 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए ।